

Ferdinando Frega – Nando the Scribe

INTIMACY AND FOOD

A Journey of Nourishment and Connection



Gillettenarrative.com

अंतरंगता, भोजन और जिलेट

जिलेट ऑडियो — नांदो, लेखक — gillettenarrative.com

दो चीज़ें हैं जिन्होंने पूरे इतिहास में हमेशा इंसान की नाज़ुक कगार तय की है: वह क्या खाता है, और अपना शरीर किसके साथ बाँटता है।

दोनों ज़रूरतें हैं। दोनों रस्में हैं। दोनों, हद से ज़्यादा की जाएँ या पूरी तरह ठुकरा दी जाएँ, तो चरित्र के बारे में कुछ ऐसा खोल देती हैं जो अकेले शब्द कभी नहीं खोलते।

मैंने कभी नहीं माना कि इच्छाशक्ति इस बात से साबित होती है कि आदमी क्या भोगता है — बल्कि इससे कि वह किस चीज़ के बिना रहना चुनता है, और क्यों। वजह खुद पाबंदी से ज़्यादा मायने रखती है।

मेरे लिए जवाब हमेशा एक ही जगह लौटकर आया है: जिलेट। मेरी माँ, उस हर मायने में जो यह शब्द ढो सकता है। बरसों में मैंने जो कुछ छोड़ा, वह कभी वाहवाही के लिए नहीं छोड़ा। वह इसलिए छोड़ा क्योंकि उस पल कुछ और ज़्यादा मायने रखता था — काम, लेखन, साइट, वह कहानी जिसका कहा जाना ज़रूरी था।

शरीर मन के पीछे चलता है। हमेशा चला है। लेकिन मन को भी किसी की ज़रूरत होती है जो उस पर नज़र रखे — और मैंने, धीरे-धीरे, सीखा है कि सब कुछ अकेले करना हमेशा उसे अच्छी तरह करना नहीं होता।

इसलिए आज मैं त्याग के बारे में कम लिखता हूँ, और दिशा के बारे में ज़्यादा। मायने यह नहीं रखता कि आदमी कितना छोड़ता है, बल्कि यह कि छोड़ते वक़्त वह किस ओर चल रहा है।

नांदो